शिशिर कणा धर चौधुरी

अकादेमी पुरस्कार : हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत (वायलिन)

1937 में शिलांग, मेघालय में जन्मीं श्रीमती शिशिर कणा धर चौधुरी ने संगीत में अपनी दीक्षा मैहर सेनिया घराने के लब्धप्रतिष्ठ प्रतिनिधि उस्ताद अली अकबर ख़ाँ और पंडित वी.जी. जोग से प्राप्त की। वॉयलिन के अतिरिक्त आपने वायोला वादन में भी शिक्षा प्राप्त की तथा गायन संगीत में भी प्रशिक्षण प्राप्त किया।

श्रीमती शिशिर कणा धर चौधुरी ने तीस वर्षों से अधिक के जीवन–वृत्ति में एक वॉयलिन वादिका के रूप में अपने आपको प्रतिष्ठित किया है। आप अब संगीत के प्रशिक्षण के लिए समर्पित हैं। अन्य संस्थानों के अतिरिक्त आपने कुछ समय तक अमेरिका स्थित अली अकबर खाँ कॉलेज ऑफ म्यूज़िक में भी प्रशिक्षण दिया है। एक नियमित प्रसारक होने के श्रेय के साथ आपने अनेक कैसेट और रिकॉर्ड भी प्रकाशित किए हैं।

श्रीमती शिशिर कणा धर चौधुरी को हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत में योगदान के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SISIR KANA DHAR CHOWDHURY

Akademi Award: Hindustani Instrumental Music (Violin)

Born in 1937 in Shillong, Meghalaya, Shrimati Sisir Kana Dhar Chowdhury received her training in instrumental music from Pandit V.G. Jog and Ustad Ali Akbar Khan of the Maihar Senia gharana. Besides the violin, she learnt to play the viola and also trained in vocal music.

Shrimati Sisir Kana Dhar Chowdhury has enjoyed a career of over thirty years as a violinist. She is now dedicated to the teaching of music. Among other institutions, she has taught briefly at the Ali Akbar College of Music in the United States. She has issued several cassettes of her music and has numerous radio performances to her credit.

Shrimati Sisir Kana Dhar Chowdhury receives the Sangeet Natak Akademi Award for her contribution to Hindustani instrumental music.